कहानियों के माध्यम से सक्रिय नागरिकता का विकास करना

ऋचा पाण्डे

दुनियाभर के बच्चों को कहानियाँ बहुत अच्छी लगती हैं। कहानियाँ बच्चों को अनदेखी दुनिया की सैर कराती हैं, चाहे वे उनकी दादी-नानी द्वारा सुनाई गई हों या एनिमेटेड कार्टून या फ़िल्मों में वॉयसओवर कलाकारों द्वारा। वे समय और स्थान की सीमाओं से परे जाकर लोगों को जोड़ती हैं। अकबर के जीवन पर बनी ऐतिहासिक फ़िल्म निश्चित रूप से सामाजिक विज्ञान की कक्षाओं को और अधिक रोचक बनाती है, क्योंकि यह अकबर को लड़ाइयाँ लड़ने वाले ऐतिहासिक चरित्र से एक जीते-जागते मनुष्य में बदल देती है जिससे बच्चे और वयस्क भी भावनात्मक स्तर पर जुड़ सकते हैं। इस सन्दर्भ में यह देखना महत्त्वपूर्ण है कि सक्रिय नागरिकता के लिए आवश्यक जीवन कौशल विकसित करने के लिए कहानियों का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है।

मैं सामाजिक विज्ञान की शिक्षिका हूँ। मुझे याद है कि आठवीं कक्षा में ब्रिटिश राज पर चर्चा करते समय हमने सुभद्रा कुमारी चौहान की प्रसिद्ध हिन्दी कविता, 'ख़ूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी' पर चर्चा की थी। निस्सन्देह, औपनिवेशिक काल के लोगों की कहानियों को जानना औपनिवेशिक क़ानूनों के बारे में बताए गए तथ्यों के बारे में पढ़ने से अधिक प्रभावशाली अनुभव था। उस दिन विद्यार्थियों ने पाठ में अधिक रुचि ली और उनमें से कुछ ने तो कविता को समवेत स्वरों में गाना भी शुरू कर दिया था। इस घटना ने मुझे यह सोचने पर मजबूर किया कि अगर मुझे पर्याप्त समय और स्वायत्तता मिले तो मैं ऐसा और क्या कर सकती हूँ जो मेरे विद्यार्थियों को यथास्थिति पर सवाल उठाने के लिए प्रोत्साहित करे और उन्हें बदलाव की पहलक़दमी लेने के लिए प्रेरित करे। समानुभूति, आलोचनात्मक सोच और जाँच-पड़ताल जैसे कौशल व मूल्य विकसित करने के लिए किस तरह की गतिविधियों की योजना बनाई जा सकती है?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) में 'सहभागी लोकतंत्र के विज़न को साकार करने के लिए बच्चों को लोकतंत्र और लोकतांत्रिक सहभागिता के सकारात्मक अनुभव' प्रदान करने की आवश्यकता पर चर्चा की गई है (पृष्ठ 84)। यह लेख इस बात की पड़ताल करता है कि विद्यार्थियों को ऐसा अनुभव प्रदान करने के लिए कहानियों पर आधारित पाठ्यचर्या कैसे तैयार की जा सकती है। इसमें दिए गए विचार एक अनुभवात्मक और पूछताछ-आधारित पाठ्यचर्या के साथ जुड़ने के मेरे व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित हैं। दिल्ली स्थित एक ग़ैर-सरकारी संगठन, *सिंपल एजुकेशन फ़ाउण्डेशन* की स्वयंसेविका के रूप में मैंने तीन महीने तक 11 और 13 वर्ष की आयु की दो किशोरियों के साथ टेलीफ़ोन पर बातचीत की। हमने बुनियादी साक्षरता (हिन्दी और अँग्रेज़ी में पढ़ना और सरल वाक्य बनाना) और संख्या ज्ञान कौशल (आँकड़ों का विश्लेषण और विवेचन) विकसित करने के साथ-साथ संसाधन, आजीविका और प्रवास जैसी अवधारणाओं की जाँच-पड़ताल के लिए संगठन द्वारा डिज़ाइन की गई कार्यपुस्तिकाओं का उपयोग किया। इस प्रक्रिया में हमने उन विभिन्न भावनाओं का भी पता लगाया जिन्हें हम सभी प्रतिदिन महसूस करते हैं। यह सब दो कार्यपुस्तिकाओं (गणित और न्याय) का उपयोग करके किया गया था, जिनमें कहानियों को आधार बनाकर सामग्री प्रस्तुत की गई थी।

कहानियों के उदाहरण

इस लेख में उन कहानियों के विशिष्ट उदाहरण साझा किए गए हैं जिनका उपयोग सक्रिय नागरिकता के लिए आवश्यक जीवन कौशलों को विकसित करने के लिए किया जा सकता है। पहले प्रत्येक कहानी का संक्षिप्त विवरण दिया गया है और बाद में कुछ गतिविधियों की सूची दी गई जिन्हें वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।

1. कहानी का शीर्षक : करुणा और दोस्तों की मज़ेदार सैर

श्रेणी : कथा साहित्य

कहानी का संक्षिप्त विवरण : किशोरों का एक समूह अपने घर के पास कैम्पसाइट पर विभिन्न प्रकार के कार्य करने वाले लोगों से मिलता है। इनमें टैक्सी ड्राइवर, शिविर मैनेजर, रसोइया, सफ़ाई कर्मचारी और रैफ्टिंग के गाइड शामिल हैं। बच्चे उनके साथ बातचीत करते हैं और प्रत्येक व्यवसाय से जुड़ी विशिष्ट चुनौतियों व अनुभवों से सम्बन्धित प्रश्न पूछते हैं। इससे उनमें यह समझ विकसित होती है कि सामाजिक व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए प्रत्येक पेशा किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है।

अनुवर्ती गतिविधियाँ

चिन्तन प्रश्न : जो प्रश्न बच्चों को अपनी पढ़ी हुई बातों पर चिन्तन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं वे महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल विकसित करने में बहुत मददगार होते हैं। ऐसे प्रश्नों के कुछ नमूने इस प्रकार से हो सकते हैं :

- आपके अनुसार रवि भैया/गुंजन दीदी कैम्पसाईट में अपने कार्य के बारे में कैसा महसूस करते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में प्रमाण दें।
- यदि कोई एक व्यक्ति कैम्पसाईट से अनुपस्थित होता तो क्या होता? उससे कैम्पसाईट में अन्य लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता?

खोजबीन

इन गतिविधियों से विद्यार्थियों को कहानी में प्रवेश करने और उसका हिस्सा बनने का अवसर मिलता है। उदाहरण के लिए, उनसे कहा जा सकता है कि वे कैम्पसाइट के प्रबन्धक की भूमिका निभाएँ। उन्हें निम्नलिखित कार्य करने को दिए जाएँगे:

- इस बार पर्यटकों की कमी के कारण कैम्प में नक़दी की कमी है। आपको अलग-अलग लोगों के वेतन में संशोधन करना होगा। आप ये बदलाव कैसे करेंगे?
- लागत कम करने के उपायों के तहत आपको कैम्प स्टाफ़ से कुछ लोगों को नौकरी से हटाना होगा। आप किसे हटाएँगे और क्यों? आपका निर्णय विभिन्न लोगों को कैसे प्रभावित करेगा (चाहे उनको हटा दिया गया है या नहीं हटाया गया)?

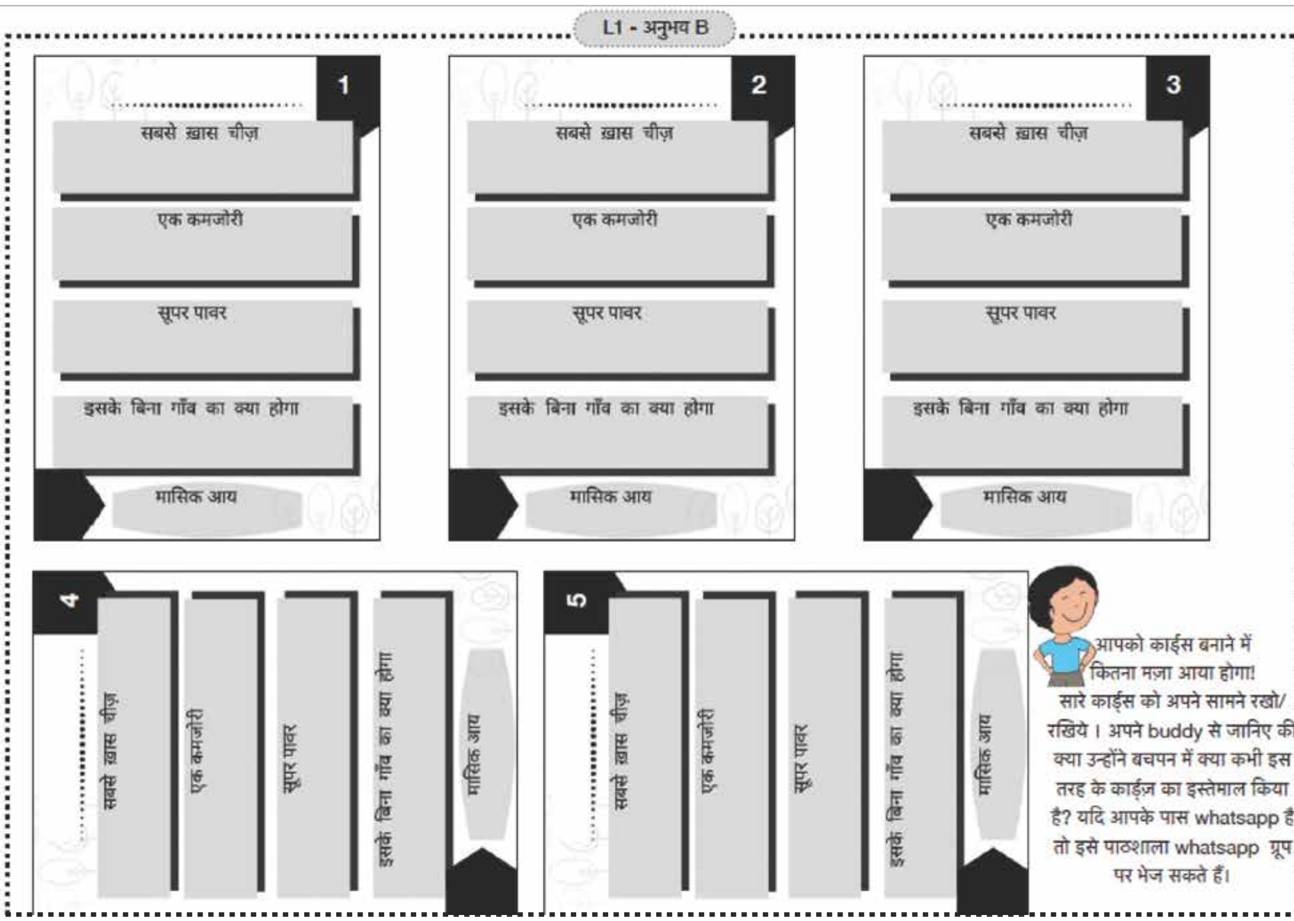
2. कहानी का शीर्षक : द मार्केट प्लेस

श्रेणी : कथा साहित्य

कहानी का संक्षिप्त विवरण : एक छोटा लड़का बाज़ार जाता है और वहाँ वह विभिन्न प्रकार के व्यवसाय करने वाले लोगों से मिलता है। जैसे सब्ज़ी, आइसक्रीम व दवा बेचने वाले, कुम्हार और मोची। ऐसा लगता है कि इन अलग-अलग लोगों के साथ लड़के का व्यवहार उनके व्यवसाय पर आधारित है। उदाहरण के लिए, वह केमिस्ट के साथ विनम्रता से बात करता है और माँगी गई राशि का भुगतान करता है। दूसरी ओर वह मोची और कुम्हार के साथ न केवल मोल-तोल करता है, बल्कि उनके काम के कारण उनके साथ अशिष्ट व्यवहार भी करता है।

अनुवर्ती गतिविधियाँ

अनुभव : यह गतिविधि बच्चों को अपने अवचेतन मन के पूर्वाग्रहों को पहचानने का मौक़ा देती है। इस गतिविधि में



बच्चों को अपने मित्र को एक पेशा सुझाना होता है। ऐसा करने के लिए बच्चों को इन नौकरियों में लगे लोगों के साथ बातचीत करके उसके आधार पर 'व्यवसाय' कार्ड बनाने होंगे। प्रत्येक कार्ड में उस पेशे की चुनौतियों, पारिश्रमिक, विशिष्ट पहलुओं, उसका सुपरपावर और समाज में उस व्यवसाय के महत्त्व को सूचीबद्ध करना होगा और यह बताना होगा कि अगर उस पेशे को गाँव से हटा दिया जाए तो क्या हो सकता है। फिर बच्चों को कार्डों के समूह से अपने दोस्त के लिए एक कार्ड लेने के लिए कहा जाता है (ऐसा काम जो वे चाहते हैं कि उनका दोस्त करे)। जो कार्ड चुना जाता है, वह समूह से बाहर हो जाता है। यानी उस पर लिखा पेशा किसी अन्य के लिए नहीं चुना जा सकता।

यह प्रक्रिया तब तक दोहराई जाती है जब तक कि केवल एक पेशा (कार्ड) शेष रह जाए। आमतौर पर बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक जैसे विकल्प पहले चुनते हैं। बिजली का काम करना, नलसाज़ी करना, सफ़ाई करना जैसे व्यवसायों को आख़िर तक नहीं चुना जाता या वे बच जाते हैं। इस अभ्यास पर आधारित चिन्तन-प्रश्नों से बच्चों के सामने वे पूर्वाग्रह उजागर होंगे जो कुछ व्यवसायों को लेकर समाज में मौजूद हैं। इससे उन्हें अपने निर्णयों और विकल्पों के प्रति सचेत रहने का प्रोत्साहन भी मिलेगा।

3. कहानी का शीर्षक : पलायन करने वालों का वापस लौटना

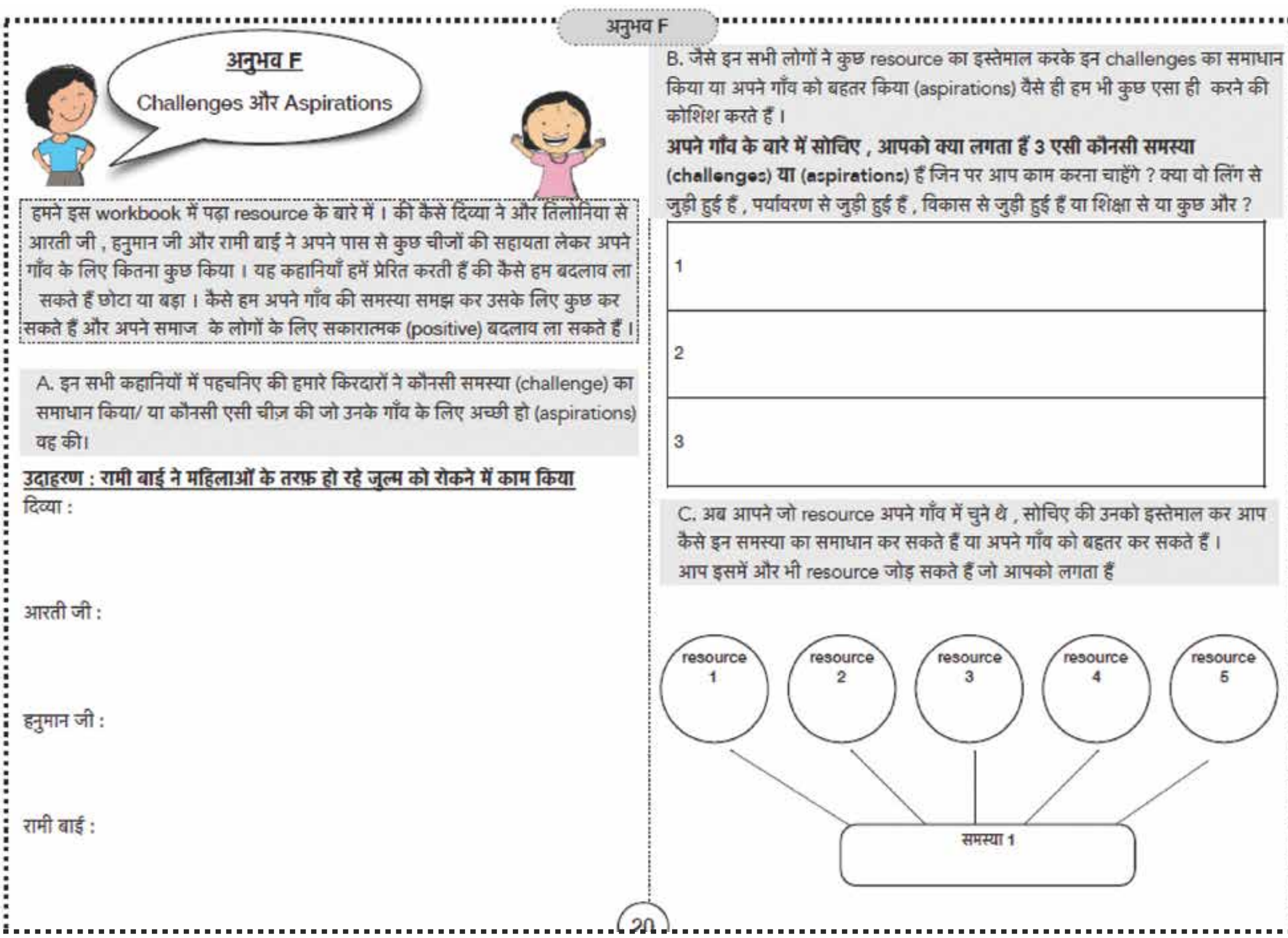
श्रेणी : कथेतर साहित्य

कहानी का संक्षिप्त विवरण : परवेज़ ने दिल्ली की एक फ़ैक्ट्री में काम करने के लिए अपने गाँव से पलायन किया था। तालाबन्दी के कारण उनकी नौकरी चली गई और दूसरी नौकरी न मिलने के कारण उन्होंने अपने गाँव लौटने का फ़ैसला किया।

अनुवर्ती गतिविधियाँ

डेटा विश्लेषण और विवेचन : बच्चों को दिल्ली, मुम्बई, चण्डीगढ़ और जयपुर से देहरादून के लिए ट्रेन टिकट की कीमत को दर्शाने वाला एक स्तम्भ आलेख (बार ग्राफ़) दिया गया। बच्चों को निम्नलिखित समस्या का समाधान करना था :

- अगर परिवार के चार लोगों को मुम्बई से देहरादून की यात्रा करनी है तो उन्हें कितने पैसे देने होंगे?
- देशव्यापी तालाबन्दी के दौरान, कुछ प्रवासियों से रेल के टिकट के पैसे लिए गए। मान लीजिए कि ऐसे चार प्रवासी दिल्ली से लौटना चाहते थे और उनके पास कुल मिलाकर 1000/- रुपए थे। बार ग्राफ़ देखकर बताइए कि क्या उनके पास अपने राज्य में लौटने के लिए पर्याप्त धन है। यदि नहीं, तो उनके पास कितने पैसे कम थे?



4. कहानी का शीर्षक : बदलाव की कहानी

श्रेणी : कथेतर साहित्य

कहानी का संक्षिप्त विवरण : दिव्या रावत नाम की एक युवती अपनी अच्छी-ख़ासी तनख़्वाह वाली नौकरी छोड़ देती है और अपने समुदाय को सशक्त बनाने के इरादे से अपने गाँव लौट जाती है। वह स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों (भौतिक और मानवीय) का उपयोग करती है और अपने आस-पास की महिलाओं को मशरूम की खेती करने में मदद करती है। धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ वह अपने समुदाय में रोज़गार के अवसर पैदा करती है। उसे उत्तराखण्ड राज्य द्वारा संजीवनी रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

अनुवर्ती गतिविधियाँ

चिन्तन प्रश्न : बच्चों को निम्नलिखित बातों पर चिन्तन करने के लिए कहा जा सकता है :

- विभिन्न पात्रों ने अपने समुदाय में परिवर्तन लाने के लिए किस प्रकार के संसाधनों का उपयोग किया?
- ऐसा करने में उन्हें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा?
- ऐसी कुछ विशेषताओं की पहचान करें जिन्होंने विभिन्न चुनौतियों के बावजूद सफल होने में उनकी मदद की।

5. कहानी का शीर्षक : मैं छोटी हूँ पर बदलाव ला सकती हूँ

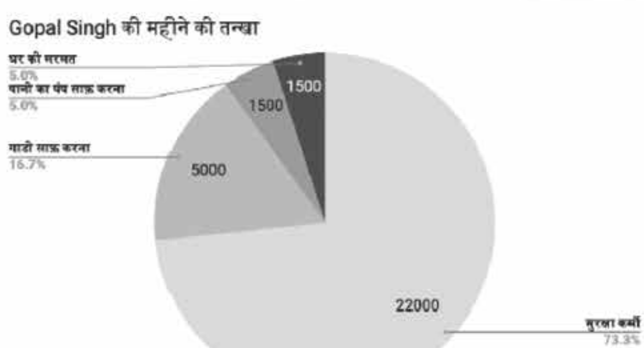
श्रेणी : कथा साहित्य

कहानी का संक्षिप्त विवरण : चार बच्चे एक नदी के पास खेल रहे थे और वे तैरने के लिए नदी में उतरे। जब उन्होंने देखा कि नदी प्रदूषित है तो उन्होंने इस समस्या को दूर करने का फ़ैसला किया। उन्होंने अपने गाँव के एक डॉक्टर से सम्पर्क किया जिन्होंने उन्हें प्रदूषण दूर करने के सम्भावित तरीक़ों के बारे में बताया। इसके बाद बच्चों ने पंचायत के सदस्यों से सम्पर्क किया जिन्होंने स्थिति को सुधारने के लिए समुदाय-स्तरीय समर्थन जुटाने में उनकी मदद की। बच्चों ने सामुदायिक जागरूकता के लिए कार्यक्रम शुरू करने, सूखे और गीले कचरे के लिए अलग-अलग कूड़ेदान रखने और समुदाय के सदस्यों द्वारा ज़िम्मेदारीपूर्ण आचरण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया।

अनुवर्ती गतिविधियाँ

खोजबीन : अपने समुदाय में एक ऐसी समस्या की पहचान करें जिसे आप हल करना चाहते हैं। उन संसाधनों की सूची

6. आपने मैजिक वर्कबुक में गोपाल सिंह की कहानी पढ़ी होगी। गोपाल सिंह सुरक्षा कर्मी होने के साथ-साथ ख़ाली समय में कई अन्य नौकरियाँ भी करते हैं।
नीचे पाई-चार्ट में दर्शाया गया है की वह इन विभिन्न नौकरियों से एक महीने के दौरान कितना कमाते हैं।



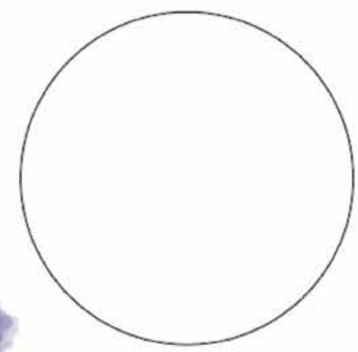
(a) एक महीने के दौरान गोपाल सिंह कुल कितना कमाते हैं?

(b) क. गाड़ियों को धोने से वह कुल कितना कमाता हैं?
ख. अगर गोपाल हर महीने 10 गाड़ियों (cars) को धोता है, तो क्या आप पता कर सकते हैं की उसे एक गाड़ी (car) कार के लिए कितना कमाता है? मान लें कि वह प्रत्येक कार के लिए समान राशि ही लेता है।

(c) यदि वह एक महीने में किराने के सामान के लिए 3500 और मकान किराए के लिए 3600 ख़र्च करता है, तो उसके पास कितना पैसा शेष बचेगा ?

(d) मान लो की गोपाल सिंह केवल दो ही नौरकियाँ करने लगे। एक तो सिक्यरिटी गार्ड, और दूसरी कार धोना। उसे दोनों ही नौकरियों से 15000-15000 रुपय मिलें।

तो क्या तुम इसके लिए एक नया पाई चार्ट बना सकते हो? ऊपर दिए गए पाई चार्ट की मदद लेकर कोशिश करें।





5

बनाएँ जो उस समस्या का समाधान करने में आपकी सहायता कर सकते हैं। इस काम को करने में आपके सामने आने वाली सम्भावित चुनौतियों की कल्पना करने का प्रयास करें। ऐसे तरीक़े खोजें जिनसे आप इन चुनौतियों का सामना कर सकें। अपने शिक्षक की मदद से अपने अन्तिम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक महीने की योजना बनाएँ। एक कविता या पत्र लिखकर या एक पोस्टर बनाकर अपने अनुभव अपने दोस्तों और परिवार के साथ साझा करें।

कहानियाँ क्यों कारगर होती हैं?

कहानियाँ इसलिए कारगर होती हैं क्योंकि उनसे पाठकों को अन्य लोगों के अनुभव से जुड़ने का अवसर मिलता है। वैसे जो बात मायने रखती है, वह यह है कि इन कहानियों का निरूपण किस तरह से किया गया है। बच्चों के साथ इन कहानियों पर चर्चा करते हुए मुझे जो अन्तर्दृष्टि प्राप्त हुई उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :

1) इन कार्य-पुस्तिकाओं में उपयोग की गई कहानियाँ बच्चों के परिवेश पर आधारित थीं। यह बात पात्रों के नाम और कहानियों में दिखाए गए स्थानों में परिलक्षित होती थी। हालाँकि कुछ कहानियाँ प्रथम बुक्स और PARI से ली गई थीं। अधिकांश कहानियाँ बच्चों के इस समूह के लिए ख़ासतौर से डिज़ाइन की गई थीं। विषय-सामग्री को डिज़ाइन करने वाली टीम में स्थानीय समुदाय के एक व्यक्ति को शामिल किया गया था, अतः ये कहानियाँ प्रामाणिक थीं और इनसे जुड़ाव महसूस किया जा सकता था। दिलचस्प बात यह है कि ये कहानियाँ बच्चों के अपने गाँव (गुलार) से शुरू होकर पास के एक नगर (ऋषिकेश) फिर उनके राज्य की राजधानी (देहरादून) और फिर देश की राजधानी (दिल्ली) तक आगे बढ़ीं। काफ़ी बाद में ये कहानियाँ देश के दूसरे राज्य (राजस्थान) के एक ऐसे ही गाँव (तिलोनिया) तक पहुँचीं। आगे बढ़ने का यह तरीक़ा शिक्षण-अधिगम के एक मूल सिद्धान्त के अनुसार था – ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ना।

2) इन कहानियों का महत्त्वपूर्ण तत्व यह था कि इसमें पात्रों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने की गुंजाइश थी। पात्र या तो उसी आयु वर्ग के थे, जिस आयु वर्ग के वे बच्चे (यानी पाठक) थे या उन्हें ऐसे लोगों के रूप में प्रस्तुत किया गया था जिनसे बच्चे जुड़ाव बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, पात्रों को सुखीराम चाचा या रहीम चाचा के नाम से पुकारा गया, जिससे इस बात में बड़ा फ़र्क़ पड़ा कि बच्चों ने इन पात्रों से सम्बन्धित समस्याओं या प्रश्नों को किस दृष्टि से देखा।

B. जैसे हमने दिव्या के मूल्य/सोच के बारे में बात की थी वैसे ही हम इन तीन लोगों के मूल्य और सोच की बात करेंगे जिससे उन्होंने अपने सपने पूरे किए।

नीचे कुछ एसे ही मूल्य और सिद्धांत लिखे हैं। **आपको क्या लगता हैं की इनमे से दिव्या में कौनसे मूल्य /सोच हैं, उन पर टिक लगाए।**
यह भी लिखे की उसने कैसे और कहाँ इन मूल्यों को दर्शाया?

दृढ़ निश्चय (grit) (हार ना मानना)	सहानुभूति (empathy) (लोगों के लिए हमदर्दी)	सेवा भाव (service) (लोगों की सेवा करने की इच्छा)	जिज्ञासा (curiosity) (कुछ जानने की इच्छा)
आरती जी			
हनुमान जी			
रामी बाई <u>उदाहरण</u> ✓ वह एक ऐसी स्थिति में पली-बढ़ी, जहाँ महिलाओं को काम करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता था फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी			

C. नीचे दिए प्रश्नो का उत्तर लिखे :

1. What were the challenges faced by Rami bai after she joined full-time at barefoot? रामी बाई को बाएरफूट से जूदने के बाद क्या समस्याएँ आइ?

2. What do you mean by this statement 'by the people, for the people and of the people'. आप **"लोगों के लिए, लोगों द्वारा और लोगों का"** से क्या समझते हैं?

3. Do you think the development of the community was possible without the local people involved? Give reason. क्या आप को लगता हैं इस समुदाय का विकास हो पता अगर स्थानिए लोग नहीं जुड़ते? अपने कारण लिखे।

4. What enabled Arti Gujjar and Rami Bai to pursue their dreams and eventually, to be successful in their respective career choices, despite having limited or no formal education?आरती जी और रामी बाई की कोई औपचारिक शिक्षा नहीं थी, फिर भी वह अपने सपने कैसे पूरे कर पाई?

5. How did Hanumanji use his knowledge and passion of plants for the benefit of the community?
हनुमान जी ने अपनी पेड़ पौधों के ज्ञान को अपने समुदाय के अच्छे के लिए कैसे उपयोग किया?

14

3) बच्चों के सामने जो विभिन्न समस्याएँ प्रस्तुत की गईं, उनके आधार के रूप में इन कहानियों का इस्तेमाल किया गया था। गणितीय और भाषा की समस्याओं को कहानियों के मुख्य पात्रों के इर्द-गिर्द बुना गया था। इससे बच्चों को इन पात्रों के साथ अधिक समय गुज़ारने का और उनके साथ रहकर दुनिया का अनुभव करने का मौक़ा मिला। एकीकरण और अन्तर्विषयक पद्धति के उपयोग ने ज्ञान की समग्र प्रकृति को उचित ठहराया।

4) बच्चे कहानी की महत्त्वपूर्ण घटनाओं को फिर से याद कर सकें, इसके लिए अनुवर्ती गतिविधियों को नए तरीक़े से डिज़ाइन किया गया था। उदाहरण के लिए, बच्चों को केन्द्रीय पात्रों के जीवन का घटनाक्रम बनाने के लिए कहा गया ताकि वे उनके जीवन को फिर से देख सकें। इसी तरह, जिन विभिन्न पात्रों ने केन्द्रीय पात्रों के जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, उनका चित्रण करने के लिए माइंड मैप्स का इस्तेमाल किया गया। इससे बच्चे मानवीय सम्बन्धों के महत्त्व को स्वीकार कर पाए। इसी तरह विभिन्न कहानियों के केन्द्रीय पात्रों के जीवन में समानता और अन्तर को उजागर करने और बच्चों के लिए आम और साझा मानवता के विचार की समझ बनाने के लिए वेन आरेखों (Venn diagrams) का उपयोग किया गया था।

5) कहानियाँ केवल पढ़ने के लिए नहीं बल्कि अनुभव करने के लिए थीं। नतीजतन, बच्चों को कहानियों में प्रवेश करने और उन्हें फिर से लिखने के लिए विस्तृत गतिविधियों को डिज़ाइन किया गया था। कहानियों को फिर से लिखने का अवसर जान-बूझकर दिया गया था ताकि बच्चों में क्रिया-उन्मुख प्रवृत्ति पैदा की जा सके। कभी-कभी उन्हें अपने आस-पास की दुनिया का अनुभव कई अनकही कहानियों के संग्रह के रूप में कराया जाता था। उदाहरण के लिए, बच्चों ने लोगों से बातचीत करके आजीविका और प्रवास की अवधारणा को समझा। इस तरह उन्हें अपने पड़ोसियों से बात करने और ज़मीन से कहानियाँ इकट्ठी करने का मौक़ा मिला। इसके बाद एक चिन्तन अभ्यास किया गया जहाँ उन्होंने अपने आस-पास के लोगों से 'सीखने की सीख' सीखी।

6) कहानियों को इस तरह बनाया गया था कि उनसे समानता, समानुभूति, धैर्य व सेवा जैसे मूल्य व कौशलों के साथ-साथ सहयोग, जिज्ञासा और रचनात्मकता का विकास हो सके। बच्चों से कहा गया कि कहानियों को पढ़ने के बाद उन्हें जो महसूस हुआ उसे साझा करें। उन्हें इन एहसासों को पहचानने और लेबल करने के लिए 'भावना कार्डों' का इस्तेमाल करना था। यह एक महत्त्वपूर्ण अभ्यास था क्योंकि कुछ स्थितियों में तो वयस्कों के लिए भी यह बताना मुश्किल होता है कि वे क्या महसूस कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें विभिन्न पात्रों के गुणों को लिखने और उसके लिए साक्ष्य देने के लिए कहा गया था। इससे इस बात को बल मिला कि किसी भी बदलाव को सम्भव बनाने के लिए इन मूल्यों का कितना महत्त्व है। अन्ततः, मुख्य पात्रों पर सवाल उठाने का जो अवसर बच्चों को दिया गया (कार्यपुस्तिका में कहानियों के अन्त में अनिवार्य स्थान के रूप में), उससे बच्चे प्रश्न पूछना सीखने के लिए प्रेरित हुए। यह एक ऐसा गुण है जो किसी व्यवस्था में आमतौर पर विकसित करते नहीं देखा जाता। हालाँकि आठ सप्ताह तक बार-बार सुदृढ़ीकरण के बाद भी लड़कियाँ तथ्यात्मक प्रश्न पूछती रहीं। लेकिन इससे मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। सबके बावजूद यह ऐसा अभ्यास है जिस पर समय और ऊर्जा लगाना प्रत्येक शिक्षक के लिए मूल्यवान होगा।

7) कथा साहित्य और कथेतर साहित्य के मिले-जुले इस्तेमाल से बच्चे जो कुछ पढ़ रहे थे, उसकी प्रासंगिकता और उपयोग को समझने में मदद मिली। उदाहरण के लिए, अपने ही राज्य के एक युवा परिवर्तनकारी के बारे में जानने से उन्हें स्थापित परिपाटियों के ख़िलाफ़ जाने और अपने समुदाय में बदलाव लाने में मदद मिल सकती है। इसी तरह, बच्चों को समुदाय-संचालित परिवर्तन की शक्ति से परिचित कराने के लिए बंकर रॉय (संस्थापक, बेयरफुट कॉलेज, तिलोनिया) के साथ-साथ आरती देवी और हनुमान जी (तिलोनिया गाँव के मूल निवासी) के बारे में कहानियाँ शामिल की गईं। इस तरह की कहानियों ने उन्हें अपनी वास्तविकताओं और सफलता के बारे में अपने विचारों को परिभाषित करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्हें अपने आस-पास के संसाधनों की पहचान करने और स्थानीय समस्याओं के समाधान में इन संसाधनों का उपयोग करने वाली योजनाएँ बनाने के लिए सक्षम किया गया। एक तरह से देखा जाए तो उन्हें अपनी कहानियों पर फिर से विचार करने का मौक़ा दिया गया ताकि वे सचेतन रूप से यह चुनाव कर सकें कि उन्हें ये कहानियाँ एक विजेता के रूप में लिखनी हैं या एक उत्पीड़ित के रूप में।

कहानियाँ, कौशल और सक्रिय नागरिकता

नागरिकता के लिए शिक्षा को एक सक्रिय नागरिक बनने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल, मूल्यों और प्रवृत्तियों के मेल का विकास करने की तरह समझा जा सकता है (लॉटन, 2000)। जहाँ ज्ञान का घटक सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया गया है, मूल्यों, कौशलों

और प्रवृत्तियों को शिक्षा पद्धति के माध्यम से सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। कहानियाँ इन विशेषताओं को विकसित करने का प्रभावी तरीक़ा हैं बशर्ते उन्हें निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाए। कहानियों के अन्त में नैतिक शिक्षा देने की बजाय कहानियों का उपयोग अनुभव प्रदान करने के लिए किया जा सकता है ताकि बच्चे एक आन्तरिक मूल्य प्रणाली विकसित कर सकें।

कहानियों के प्रयोग को कक्षा में बच्चों के साथ किए जाने वाले व्यवहार के साथ जोड़ा जाना चाहिए। पाठ्यक्रम निर्माताओं और शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों को भविष्य के नागरिक के रूप में देखने की बजाय वर्तमान के नागरिक के रूप में देखें (हाओ और कोवेल, 2009)। अनुभवों को इस तरह से डिज़ाइन किया जाना चाहिए कि बच्चों को यह देखने में मदद मिल सके कि वे अपने और अपने समुदायों के जीवन में बदलाव लाने के लिए अभी क्या कर सकते हैं। ये बहुत ही साधारण चीज़ें हो सकती हैं, जैसे, बिजली की निरन्तर आपूर्ति के लिए ग्राम प्रधान को पत्र लिखना या लोकतांत्रिक तरीक़े से बाल संसद का आयोजन करना (जहाँ शिक्षक केवल पूछने पर मार्गदर्शन करते हैं)। संक्षेप में, जब कहानियों को शक्तिशाली अनुभवों के साथ जोड़ा जाता है तो वे दूसरों के अनुभवों को समझने वाले मनुष्यों को विकसित करने महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं, जो अपने, दूसरों और समुदायों के प्रति संवेदनशील होकर काम कर सकते हैं।

References

Howe, R., & Covell, K. (2009). Engaging children in citizenship education: A children's rights perspective. Journal of Educational Thought, 21-44.

Lawton, D. (2000). Citizenship Education in Context. In D. Lawton, J. Cairns, & R. Gardner, Education for Citizenship (pp. 9-13). New York: Continuum Studies in Citizenship.

NCERT. (2005). National Curriculum Framework 2005. New Delhi: National Council of Educational Research and Training.



ऋचा पाण्डे पाठ्यक्रम विकासकर्ता और सुगमकर्ता हैं जो जीवन कौशल और नागरिकता शिक्षा में रुचि रखती हैं। उन्होंने अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलूरु से शिक्षाशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को पढ़ाते समय शिक्षा को एक प्रक्रिया और प्रणाली के रूप में समझने में उनकी रुचि विकसित हुई। इस अनुभव ने उन्हें जो पढ़ाया जाता है, जो सीखा जाता है और अन्ततः जिसका उपयोग किया जाता है या जिसे लागू किया जाता है, इनके बीच के मौजूदा अन्तराल को पहचानने में मदद की। वे पिछले छह वर्षों से विभिन्न रूपों में बच्चों और युवा वयस्कों के साथ काम कर रही हैं। उनसे richapandey735@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।
अनुवाद : नलिनी रावल

छठवीं से आठवीं कक्षा तक के सभी बच्चे समानता की अवधारणा से परिचित थे। वे जानते थे कि उनके साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता और अगर ऐसा हुआ तो वे मदद माँग सकते हैं। इसलिए, इन सभी कक्षाओं में इस अवधारणा के साथ तत्काल एक जुड़ाव का एहसास हुआ जिसमें समानता की धारणा को बनाए रखने के लिए सराहना का भाव भी था। ऐसा नहीं लगा कि यह पाठ्यपुस्तक में दी गई कोई अनजान अवधारणा है, बल्कि, यह एक ऐसा साकार भाव था जिसके साथ जुड़ा जा सकता था।

- अभिलाषा अवस्थी , स्कूली कामकाज से लोकतंत्र के बारे में सीखना, पेज 24